भण्डारण की अपर्याप्त सुविधाओं तथा वर्षा इत्यादि के कारण खाद्यान्नों का खराब हो जाना

377. **श्री कैलाशपति मिश्र :**

श्री अश्विनी कुमार :

श्री शंकर सिंह वाघेला :

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भण्डारण की अपर्याप्त सुविधाओं के कारण, भारतीय खाद्य निगम द्वारा खरीदा गया खाद्यान्न भारी मात्रा में खुले में अथवा अर्ध-रक्षित अवस्था में पड़ा है और हाल ही में आई वर्षा तथा बाढ़ के कारण अन्न और चीनी आदि की कुछ मात्रा खराब भी हो गयी है ;

(ख) गत दो मास में वर्षा तथा बाढ़ के कारण राज्य-वार कितने-कितने मूल्य का खाद्यान्न और चीनी इत्यादि खराब हो गयी है; और

(ग) इस सम्बन्ध में की गयी या निकट भविष्य में की जाने वाली निवारक कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (राव बीरेन्द्र सिंह):(क) और(ख)भारतीय खाद्य निगम द्वारा ढकी हुई पर्याप्त भण्डारण क्षमता के अभाव के कारण 31-5-1985 तक 23.94 लाख मीटरी टन खाद्यान्नों को खुले भण्डारन में भण्डारित किया गया था । निगम द्वारा चीनी का कोई स्टाक खुले भण्डारण में नहीं रखा जाता है । पिछले दो महीनों के दौरान वर्षा और बाढ़ों के कारण खाद्यान्नों और चीनी के स्टाक क्षति पहुंचने के बारे में अभी तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है ।

(ग) भारतीय खाद्य निगम ने खुले भण्डारण में रखे गए स्टाक की सुरक्षा करने के लिए निम्नलिखित पग उठाए हैं :

(1) जल निकास और निभार की उचित व्यवस्था कर स्टाक को कवर और प्लिथ(कैप) के अधीन रखा जाता है ;

(2) स्टाक को पोलीथीन की चादरों से ढक कर रखा जाता है और चादरों को नाइलोन की रस्सियों से बांध दिया जाता है ;

(3) अनाज को स्वस्थ हालत में बनाए रखने के उद्देश्य से खुले में रखे गए स्टाक का साफ मौसम में वातन किया जाता है; और

(4) कीट-जन्तु बाधा मूषकों, पक्षियों द्वारा क्षति की रोक-थाम करने के लिए आवधिक निरीक्षण किया जाता है ।

Wheat imports

378. SHRI SHANKER SINH VAGHELA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that wheat was imported during the years 1983-84 and J 984-85 which were the years of bumper crop: and

(b) if so, the reasons for such imports and the price paid therefor?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (RAO BIRENDRA SINGH): (a) and (b) No contract was entered into for import of wheat daring the year 1984-85. However, during the year 1983-84, a quantity of 21.30 lakh tonnes of wheat was contracted for import with a view to augmenting the stock's with the public agencies and to meet the increased pressure on th$_e$ public distribution system arising from the drought conditions in 1982-83. The average estimated FOB price of this wheat was Rs. 158.59 per quintal.